एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड (एजीएल) ने लग्जरी सर्फेस और बाथवेयर सेगमेंट में अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए मेगा विस्तार योजना तैयार की

शक्ति विद्यार्थी

दिल्ली। लक्जरी सर्फेस और बाथवेयर सॉल्यूशंस ब्रांडों में से एक एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड (एजीआईएल) ने 500 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू के लिए ड्राफ्ट पेपर (ड्राफ्ट लेटर ओफ ओफर) दाखिल किए हैं। कंपनी ने नई निगमित पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के तहत मोरबी, गुजरात में नई अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के माध्यम से जीवीटी टाइलें, सेनेटरीवेयर और एसपीसी फ्लोरिंग सेगमेंट जैसे मूल्य वर्धित लक्जरी सरफेसीस और बाथवेयर सेगमेन्ट में बडी विस्तार योजनाएं तैयार की हैं। समूह की संपूर्ण उत्पाद श्रृंखला को एक ही छत के नीचे प्रदर्शित करने के लिए कंपनी मोरबी, गुजरात में 1.5 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े डिस्प्ले सेन्टर्स में से एक की स्थापना भी कर रही है। नई विनिर्माण इकाइयों के अप्रैल 2023 में वाणिज्यिक संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री कमलेश पटेल ने टिप्पणी करते हुए कहा, "भारतीय सिरेमिक टाइल उद्योग हाल के वर्षों में डबल चार्ज टाइलों से वेल्यु एडेड लार्ज फोर्मेट जीवीटी टाइलों और स्लैब में महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है। हालांकि, डबल चार्ज टाइलें अभी भी समग्र मांग में प्रमुख हिस्सेदारी रखती हैं और पूरे बाजार में अच्छी तरह से प्रवेश करती हैं, ग्लेज़िंग और डिजिटल प्रिंटिंग के माध्यम से नवीन डिजाइनों के निर्माण के लिए नई तकनीकों के साथ, जीवीटी और पीजीवीटी के मध्यम से उच्च दरों पर बढ़ने की उम्मीद है। सेनेटरीवेयर में, भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा निमार्ता है और विभिन्न सूक्ष्म और मैक्रो कारकों और नीतिगत पहलों के नेतृत्व में अपार अवसरों के साथ विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। इसी तरह, एसपीसी फ़्लोरिंग इन्स्टोलेशन में आसानी, गर्मी और पानी प्रतिरोधी, आदि सहित अन्य हार्ड फ़्लोरिंग उत्पादों पर अपने विविध लाभों के कारण दुनिया भर में सबसे तेज हार्ड फ़्लोरिंग उत्पाद के रूप में उभर रहा है। स्वयं के निर्माण के साथ-साथ तीसरे पक्ष के निर्माण के माध्यम से एजीआईएल पहले से ही जीवीटी

टाइल्स और सेनेटरीवेयर में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। इन सेगमन्ट्स और विभिन्न रणनीतिक पहलों में मेगा विस्तार योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड ने राइट्स इश्यू के माध्यम से 500 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी है। उपरोक्त प्रस्तावित योजनाओं के व्यावसायीकरण के साथ, एजीआईएल को एक एकीकृत लक्जरी सर्फेस और बाथवेयर सॉल्यूशंस ब्रांड के रूप में और मध्यम अवधि में मार्जिन प्रोफाइल की अपनी स्थिति को और मजबूत करने की उम्मीद है।

कंपनी भारत के सिरेमिक टाइल हब - मोरबी, गुजरात में दुनिया के सबसे बड़े डिस्प्ले सेंटर में से एक की स्थापना भी कर रही है ताकि एजीएल ग्रुप की संपूर्ण उत्पाद श्रृंखला को एक ही छत के नीचे प्रदर्शित किया जा सके अर्थात टाइलें, सेनेटरीवेयर, बाथवेयर, क्वार्ट्ज और इंजीनियर मार्बल, एसपीसी, आदि। पांच मंजिला डिस्प्ले सेंटर की अवधारणा 1.5 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में है और इसका उद्देश्य एजीएल समूह के उत्पादन, तकनीकी उत्कृष्टता और एक ही स्थान पर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सोर्सिंग क्षमता का प्रदर्शन करना है और इससे कंपनी के ब्रांड और पहुंच को आगे बढ़ाने की भी उम्मीद है। डिस्प्ले सेंटर की स्थापना के लिए कुल अनुमानित लागत 40 करोड़ रुपये है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी अन्य रणनीतिक पहलों, ब्रांड निर्माण और मजबूती, विपणन गतिविधियों और चल रही सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं सहित सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राइट्स इश्यू की आय को तैनात करने का भी प्रस्ताव करती है। कंपनी ने मिड-मार्केट मर्चेंट बैंकर, पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को अनुबंधित किया है, जिसके पास निर्माण सामग्री उद्योग के लिए एक विशेष प्रभाग है, जिसने इस उद्योग में कई हालिया लेनदेन को सफलतापूर्वक संभाला है।

श्री पटेल ने कहा, "कच्चे माल के स्त्रोतों की निकटता, श्रमिको की आसान और त्वरित उपलब्धता, देश के कुछ सबसे बड़े बंदरगाहों से निकटता आदि सहित विभिन्न रणनीतिक स्थानगत लाभों के कारण, मोरबी सिरेमिक टाइलों और सेनेटरीवेयर के लिए भारत का केंद्र है। देश में इस प्रोडक्ट्स के कुल उत्पादन का 80% उत्पादन यहां होता है और यहां 1,100 से अधिक विनिर्माण इकाइयां आवास है। एजीआईएल ने इन रणनीतिक लाभों को ध्यान में रखते हुए मोरबी क्षेत्र में प्रमुख विस्तार योजनाएं तैयार की हैं। विश्वसनीयता, अनुकूलन क्षमता और नवाचार के लिए भरोसेमंद, एजीआईएल ने मेड इन इंडिया उत्पादों के लिए एक मजबूत ब्रांड पहचान बनाई है और 100 से अधिक देशों में निर्यात के साथ वैश्विक पहचान हासिल करने में सक्षम है।"

डिप्रेशन में रामबाण है कैनाबिज आधारित दवाएं

-वैद्य मारिया परवेज

-नेहा

कोरोना के साथ ही लोगों में अनिद्रा, तनाव और डिप्रेशन लगातार बढ़ रहा है। अब छोटी उम्र के युवा भी नींद के लिए दवाओं का इस्तेमाल करने लगे हैं। साथ ही लगातार काम और टारगेट की वजह से लोगों में तनाव का स्तर भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। इससे नई नई मानसिक बीमारियां भी बढ़ रही हैं।

WHO के मुताबिक भारत में 6.5 परसेंट लोग गंभीर मानसिक बीमारियों से ग्रसित हैं। देश में आत्महत्या की दर भी काफी ज्यादा है। कोरोना के कारण तो ये डिप्रेशन पूरे देश में बहुत सारे लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में कोरोना के बाद 40 परसेंट से ज्यादा लोगों में डिप्रेशन हो गया है।

आयुर्वेद की विज्या यानि कैनाबिज मानसिक रोगों से मुक्ति दिला सकती है। दिल्ली के मयूर विहार में लंबे समय से इस तरह के मरीजों का इलाज कर रही अनंता विज्या वेलनैस क्लिनिक की वैद्य मारिया परवेज के मुताबिक, आयुर्वेद में

इन बीमारियों की मुख्य वजह वात और कफ का संतुलन बिगड़ना बताया गया है। मॉर्डन लाइफ की वजह से लोगों में भारी तनाव है और इसकी वजह से लोगों में डिप्रेशन घर कर जाता है। नींद की दवाओं से भारी साइड इफैक्ट होते हैं, कुछ लोगों का वजन असमान्य तौर पर बढ़ जाता है तो कुछ के लीवर को नुकसान पहुंचता है। लेकिन आयुर्वेद में विज्या या कैनाबिज बिना की साइड इफैक्ट के नींद ना आने, तनाव और डिप्रेशन में काफी कारगर है।

वैद्य मारिया के मुताबिक कैनाबिज वात और कफ नाशक है, हालांकि ये थोड़ी उष्ण प्रवृति की होती है इसलिए पित्त को बढ़ा देती है। इसलिए इसके साथ कुछ ओर मेडिसन भी दी जाती है। ताकि शरीर का संतुलन बेहतर हो और इन बीमारियों से मुक्ति मिल जाए। इसलिए इन बीमारियों में किसी प्रशिक्षित वैद्य से ही सलाह लेनी चाहिए। कैनाबिज तनाव में बहुत ही कारगर होता है। साथ ही सिर में दर्द में भी ये राम बाण साबित होता है।

सेहत टिप्स

तपेदिक उन्मूलन के लिए तीन चीजें जरूरी हैं-अधिसूचना, रोकथाम और उपचार

द लैंसेट ग्लोबल हैल्थ में छपे एक लेख के अनुसार, भारत के मामले में टीबी की घटनाओं में 38 प्रतिशत तक कम हो सकती है। आने वाले दशकों में इस बीमारी को खत्म करने के लिए भारत को जनसंख्या के स्तर पर टीबी रोकने के उपाय अपनाने चाहिए। लांसेट कमीशन की सिफारिश है कि भारत को उन सभी के लिए टीबी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र के प्रदाताओं का अनुकूलन करना चाहिए और दवा संवेदनशीलता परीक्षण व दूसरी पंक्ति की टीबी दवाओं के लिए सार्वभौमिक पहुंच की गारंटी देनी चाहिए।

भारत ने 2025 तक टीबी मुक्त होने की समय सीमा निर्धारित की है। हालांकि टीबी को रोकना और नियंत्रित करना एक मिला जुला प्रयास है, लेकिन स्थिति के नियंत्रण में डॉक्टरों की प्रमुख भूमिका होती है। टीबी का नियंत्रण इसका जल्दी पता लगाने पर निर्भर करता है, जिसका अर्थ है बीमारी के आगे प्रसार को रोकने के लिए प्रारंभिक और बेहतर उपचार। संपर्क ट्रेसिंग से समय पर और पूर्ण उपचार के साथ-साथ मामलों के शीघ्र निदान द्वारा रोग के संचरण की श्रृंखला में बाधा उत्पन्न होती है। घरेलू और संक्रामक टीबी के सभी रोगियों के करीबी संपर्क का पता लगाया जाना चाहिए। यदि वे पाए जाते हैं तो एटीटी के एक पूर्ण कोर्स के साथ जांच और उपचार किया जाना चाहिए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि अपने आप से पूछें कि आपने कितने जीनएक्सपर्ट परीक्षण किए हैं, कितने संपर्कों का पता लगाया है और कितने टीबी रोगियों को आपने निक्षय पर अधिसूचित किया है। यदि पहले नहीं किया है तो आप आज भी अधिसूचित कर सकते हैं। यह उसी दिन सूचित करना आवश्यक नहीं है जब आप रोगी को टीबी होने का निदान करते हैं।

एचसीएफआई के कुछ सुझाव

- छींकने, खांसने या हाथों को अपने मुंह या नाक के पास रखने के बाद अपने हाथ अवश्य धोएं।
- खांसने, छींकने या हंसने पर अपने मुंह को एक टिश्यू से ढंक लें। एक प्लास्टिक की थैली में इस्तेमाल किए गए ऊतकों को रखें, सील करें और फिर फेंक दें।
- काम पर या स्कूल जाने से बचें।
- दूसरों के साथ निकट संपर्क से बचें।
- परिवार के अन्य सदस्यों से दूर एक अलग कमरे में सोएं।
- अपने कमरे को नियमित रूप से वेंटिलेट करें। टीबी छोटे बंद स्थानों में फैलता है। खिड़की में एग्जॉस्ट पंखा लगायें, जिसमें हवा बाहर निकलती रहे। कमरे की हवा में बैक्टीरिया हो सकते हैं।

आफ्टर ब्रेक समाचार पत्र का हर अंक अब आप ऑन लाइन भी पढ़ सकते हैं। इसके लिए टाइप करें-
www.afterbrake.com

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें-
यशवंत कुमार : 9899025905

साप्ताहिक राशिफल

मेष- दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। परिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

वृष-पारिवारिक जीवन सुखमय होगा, लेकिन मैत्री सम्बन्धों में तनाव आ सकता है। स्वास्थ्य व प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

मिथुन- आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक लाभ मिलेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कर्क-मैत्री सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। सम्बन्धों में मधुरता आयेगी। निर्माण कार्य में रुचि लेंगे, लेकिन संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

सिंह- आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा की दिशा में साभ मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

कन्या-पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी।

तुला-आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीविका के क्षेत्र में चल रहा प्रयास फलीभूत होगा। निजी सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक-आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, लेकिन पिता या किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मतभेद हो सकते हैं।

धनु-स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। निजी सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे।

मकर-पारिवरिक जीवन सुखमय होगा। सम्बन्धित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ-चली आ रही समस्या का समाधान होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग व लाभ मिलेगा।

मीन-पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

-पंडित दुखहरण पाण्डेय